दीदी तेरा देवर दीवाना

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

वर्ष 1977 में आई फ़िल्म 'एजेंट विनोद' से एक नई संगीतकार जोड़ी ने हिंदी फिल्म संगीत की दुनिया में दस्तक दी. इस संगीतकार जोड़ी का नाम था 'राम-लक्ष्मण'. यद्यपि इस फ़िल्म के गाने उतने लोकप्रिय नहीं हुए, परन्तु इसके दो वर्ष बाद 1979 में आई राजश्री प्रोडक्शन की मिथुन चक्रवर्ती अभिनीत फ़िल्म 'तराना' ने हिंदी फिल्मों में पहली बार 'राम-लक्ष्मण' को पहचान दी. इस फ़िल्म में इस संगीतकार जोड़ी ने 'गुंचे लगे हैं कहने', 'सुल्ताना मेरा नाम है सुल्ताना' और 'मेरी दिलरुबा तुझको आना पड़ेगा' जैसे मधुर गीत दिए थे. फिर बाद के वर्षों में तो राम-लक्ष्मण ने एक से बढकर एक गीत हिंदी फ़िल्मों को दिए और उनकी इन धुनों की सरलता, मधुरता और भारतीयता ने संगीत प्रेमियों को उनके संगीत का दीवाना बना दिया. विशेष कर 'राजश्री प्रोडक्शन' की सर्वकालिक हिट फिल्मों, 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन' एवं 'हम साथ साथ हैं' के संगीत ने राम-लक्ष्मण को चोटी के संगीतकारों में पहुँचा दिया.

दरअसल राम-लक्ष्मण ने अपने करियर की शुरुआत मराठी फिल्मों से की थी. मशहूर मराठी फ़िल्म निर्देशक दादा कोंडके की फिल्म 'पांडू हवलदार' (1975) से अपना सफ़र शुरू करने वाले राम लक्ष्मण की प्रतिभा धीरे-धीरे हिंदी फिल्म उद्योग तक भी पहुँची. उनके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण समय तब आया जब उन्हें प्रसिद्ध बैनर राजश्री प्रोडक्शंस के साथ जुड़ने का अवसर मिला. राजश्री प्रोडक्शन की फ़िल्में सदा से ही अपने सामाजिक, पारिवारिक विषय वस्तु व मधुर संगीत के लिये जानी जाती रही हैं. इनका विषय भारतीय परिवार, संस्कार और मानवीय रिश्ते होते थे और राम-लक्ष्मण का संगीत इस तरह के विषयों के लिए एकदम उपयुक्त था. राजश्री प्रोडक्शन के ताराचंद बड़जात्या और बाद में सूरज बड़जात्या ने उनकी प्रतिभा पर पूरा विश्वास जताया और राम-लक्ष्मण ने भी उनके इस विश्वास को हमेशा सही सिद्ध किया. इस संगीतकार जोड़ी की कहानी थोड़ी अलग और भावुक कर देने वाली है. ज्यादातर लोगों को नहीं मालूम कि जिन्हें दुनिया 'राम-लक्ष्मण' की जोड़ी के नाम से जानती है, दरअसल वो अकेले संगीतकार 'विजय काशीनाथ पाटिल' थे. संगीत के प्रति विजय पाटिल का आकर्षण बचपन से ही था. उन्होंने संगीत की शिक्षा प्राप्त की और वाद्ययंत्रों पर भी अच्छी महारत हासिल की.

विजय पाटिल और उनके दोस्त सुरेंद्र हेंद्रे का एक आर्किस्ट्रा था, दोनों दोस्तों ने मिलकर फ़िल्म संगीत तैयार करने के लिये संगीतकारों की एक जोड़ी बनाई, जिसका नाम रखा राम-लक्ष्मण. मगर नियति को कुछ और मंजूर था, इस जोड़ी के पहली हिंदी फ़िल्म 'एजेंट विनोद' साइन करने के कुछ दिन बाद ही सुरेंद्र हेंद्रे इस दुनिया से चले गए. विजय पाटिल की जगह कोई दूसरा होता तो नया नाम रख लेता, नई पहचान बना लेता. लेकिन, विजय पाटिल ने ऐसा नहीं किया. उन्होंने अपने दोस्त के नाम को अपने नाम से कभी अलग होने ही नहीं दिया और तमाम उम्र वह अकेले संगीत देते रहे, लेकिन संगीतकार का नाम वही रहा, राम-लक्ष्मण. ये उनकी महानता और इंसानी रिश्तों के प्रति उनके अनूठे समर्पण की मिसाल है जो आज की दुनिया में बहुत कम देखने को मिलती है.

वर्ष 1989 में प्रदर्शित फिल्म 'मैंने प्यार किया' ने राम-लक्ष्मण को फिल्म संगीत के शिखर पर पहुँचा दिया. इस फिल्म के सारे गीत अत्यंत लोकप्रिय हुए. 'दिल दीवाना', 'कबूतर जा जा जा', 'आजा शाम होने आई', 'आते-जाते हँसते-गाते', 'मेरे रंग में रंगने वाली' और 'कहे तोसे सजना ये तोहरी सजानिया' जैसे

गीतों ने युवाओं के साथ-साथ हर आयु वर्ग के श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध कर दिया. इन गीतों में प्रेम की मासूमियत, भावनाओं की पवित्रता और मधुर संगीत का अद्भुत मेल था. इस फिल्म के संगीत ने कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए तथा लोकप्रियता के तमाम रिकार्ड तोड़ डाले.

इसके बाद वर्ष 1994 में आई, उनके संगीत से सजी राजश्री बैनर की एक और ब्लॉकबस्टर फ़िल्म, 'हम आपके हैं कौन..!' जो भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे सफल फिल्मों में एक साबित हुई. इसका संगीत भारतीय परिवारों के उत्सवों के संगीत का पर्याय बन गया. 'दीदी तेरा देवर दीवाना', 'लो चली मैं अपने देवर की बारात लेकर', ''माई नी माई', 'पहला पहला प्यार है' और 'वाह वाह रामजी', 'जूते दे दो पैसे लो' 'धिकताना', और 'मुझसे जुदा होकर' जैसे गीतों ने इतिहास रच दिया. ये गीत आज भी विवाह समारोहों और अन्य पारिवारिक आयोजनों में खूब गूंजते हैं. इस फिल्म ने यह सिद्ध कर दिया कि बिना किसी शोर-शराबे या अनावश्यक आधुनिकता के भी ऐसा संगीत रचा जा सकता है जो भावनाओं को छू जाये और बरसों श्रोताओं के दिलों पर राज करे.इसी तरह वर्ष 1999 में प्रदर्शित राजश्री की फ़िल्म 'हम साथ-साथ हैं' के गीतों, 'मैया यशोदा', 'हम साथ साथ हैं', 'म्हारे हिवड़ा में नाचे मोर', 'छोटे छोटे भाइयों के बड़े भैया' और 'ये तो सच है कि भगवान है' जैसे यादगार गीतों से उन्होंने फिर साबित किया कि पारिवारिक और भावपूर्ण संगीत रचने में उनका कोई सानी नहीं है.

राजश्री के बैनर के अलावा भी उन्होंने फिल्मों को कई मधुर लोकप्रिय गीत दिए. याद कीजिये फ़िल्म 'हम से बढ़कर कौन'(1981) का उनका संगीतबद्ध प्रसिद्ध गणपति गीत 'देवा ओ देवा' जो आज भी अत्यंत लोकप्रिय है और यक़ीनन हमेशा रहेगा. उनके अन्य लोकप्रिय गीत 'सुनो सुनो तुम कलयुग के इंसानों' (एजेंट विनोद), 'कभी तू छलिया लगता है' और 'तुमसे जो देखते ही प्यार हुआ' (पत्थर के फूल)', 'सुन बेलिया शुक्रिया मेहरबानी' और 'ले ले दिल दे दे दिल' (100 डेज़) और 'गुन गुन करता आया भंवरा' और 'बंदा नवाज़ इज़्ज़त नवाज़' (मुस्कुराहट), 'तुम क्या मिले जाने जां', 'सोचा तुम्हें खत' और 'वेयर इज द टाइम टू हेट' (सातवां आसमान), 'बताओ तुम कौन हो' (अनमोल) आदि हैं.

उन्होंने हर फिल्म में कहानी और पात्रों की भावनाओं के अनुरूप संगीत रचा. यही कारण था कि उनके गीत केवल लोकप्रिय ही नहीं हुए, बल्कि फिल्म की कहानी का अभिन्न हिस्सा बन गए. वर्ष 2021 में उनके निधन तक अपने चार दशक से लम्बे करियर में उन्होंने 150 से अधिक हिंदी, मराठी और भोजपुरी फिल्मों में अपनी कला का जादू बिखेरा.

राम-लक्ष्मण की संगीत शैली की सबसे बड़ी विशेषता उसकी सरलता और मधुरता थी. वे अत्यधिक तकनीकी प्रयोगों के बजाय ऐसी धुनें बनाते थे जिन्हें श्रोता आसानी से गुनगुना कर आनंदित हो सकें. लोकधुनों और भारतीय और पश्चिमी वाद्ययंत्रों का संतुलित प्रयोग उनकी खासियत थी. उनकी धुनों में बाँसुरी, वायलिन, तबला, ढोलक, संतूर और अन्य भारतीय वाद्ययंत्रों का सुंदर प्रयोग देखने को मिलता है. उन्होंने कई प्रमुख गायक, गायिकाओं के साथ काम किया. विशेष रूप से लता मंगेशकर और एस. पी. बालासुब्रह्मण्यम के साथ उनकी जोड़ी ने हिंदी फिल्म संगीत को अनेक नायाब गीत दिए. उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें कई सम्मान प्राप्त हुए. जिनमें फ़िल्म 'मैंने प्यार किया' के लिए उन्हें मिला सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार प्रमुख है.

22 मई 2021 को विजय पाटिल का निधन हो गया. वे आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन जब भी हमारे घरों में शादी-ब्याह का अवसर होता है या जब कभी परिवार में गीतों की महफिल सजती है, तो राम-लक्ष्मण की बनाई मधुर पारिवारिक धुनें जरूर गूंजती हैं. उनका संगीत भारतीय सामाजिक जीवन की उत्सवधर्मिता का संगीत है. भारतीय फिल्म संगीत के इतिहास में राम-लक्ष्मण का नाम सदैव उन संगीतकारों में लिया जाएगा जिन्होंने ऐसे गीत रचे जो केवल फिल्मों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि हमारे जीवन के सुख-दुःख, उत्सव और पारिवारिक समारोहों का अभिन्न हिस्सा बन गए. उन्होंने सिर्फ फ़िल्मी गीत नहीं रचे, उन्होंने भारतीय परिवारों की सुख दुख की सामूहिक स्मृतियों को अपनी धुनों में संजोया. इतनी प्रतिभा के बावजूद दुर्भाग्य से फ़िल्म उद्योग में उन्हें वह स्थान कभी नहीं दिया गया, जिसके वो हक़दार थे, मगर इसके बावजूद, निश्चित ही, आने वाली पीढ़ियाँ उनके अविस्मरणीय संगीत को सुनेंगी, गुनगुनाएँगी, उसके आनंद को महसूस करेंगी और फिल्म संगीत के इस महान शिल्पी का श्रद्धापूर्वक स्मरण करेंगी.

आज के लिये इतना ही, अगले सप्ताह फिर मिलेंगे, तब तक राम-लक्ष्मण के सुरीले भावपूर्ण संगीत का आनंद लीजिये.

रामायण की रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर बढ़ा रोमांच

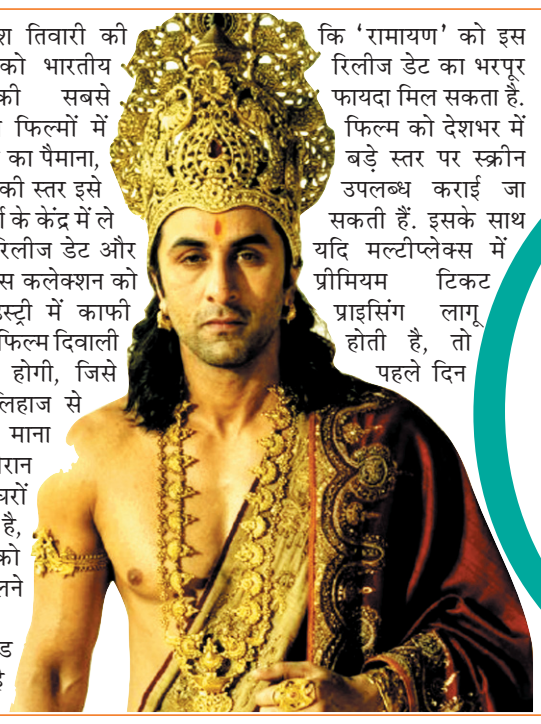

निर्देशक नितेश तिवारी की 'रामायण' को भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में गिना जा रहा है. फिल्म का पैमाना, स्टारकास्ट और तकनीकी स्तर इसे रिलीज से पहले ही चर्चा के केंद्र में ले आए हैं. अब इसकी रिलीज डेट और संभावित बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर भी फिल्म इंडस्ट्री में काफी उत्साह देखा जा रहा है. फिल्म दिवाली के मौके पर रिलीज होगी, जिसे बॉक्स ऑफिस के लिहाज से सबसे मजबूत समय माना जाता है. त्योहारों के दौरान परिवारों का सिनेमाघरों की ओर रुख बढ़ जाता है, जिससे बड़ी फिल्मों को शानदार ओपनिंग मिलने की संभावना रहती है.

यही वजह है कि ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि 'रामायण' को इस रिलीज डेट का भरपूर फायदा मिल सकता है. फिल्म को देशभर में बड़े स्तर पर स्क्रीन उपलब्ध कराई जा सकती हैं. इसके साथ यदि मल्टीप्लेक्स में प्रीमियम टिकट प्राइसिंग लागू होती है, तो पहले दिन की कमाई में और भी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है. शुरुआती अनुमान बताते हैं कि फिल्म 100 करोड़ रुपये नेट की ओपनिंग का आंकड़ा छू सकती है. यदि ऐसा होता है, तो 'रामायण' बॉलीवुड की सबसे बड़ी ओपनिंग देने वाली फिल्मों की सूची में शामिल हो जाएगी. फिलहाल पौराणिक फिल्मों की श्रेणी में 'आदिपुरुष' के नाम पहले दिन 86.75 करोड़ रुपये नेट की कमाई का रिकॉर्ड दर्ज है.

माना जा रहा है कि 'रामायण' इस आंकड़े को पीछे छोड़ सकती है. हालांकि, सभी बॉलीवुड फिल्मों में सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड फिलहाल 'धुरंधर 2' के नाम दर्ज है, जिसने पहले दिन 145 करोड़ रुपये नेट का कारोबार किया था. अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या रणबीर कपूर की 'रामायण' इस रिकॉर्ड को भी चुनौती दे पाएगी. फिल्म की वास्तविक सफलता का फैसला आखिरकार दर्शकों की प्रतिक्रिया, समीक्षाओं और पहले दिन के वर्ड ऑफ माउथ पर निर्भर करेगा.

शादियों में आज भी गूंजता है रेखा का सुपरहिट गीत

भारतीय शादियां सिर्फ रस्मों और परंपराओं का मेल नहीं होतीं, बल्कि संगीत और लोकगीतों की खूबसूरत विरासत भी अपने साथ लेकर चलती हैं. खासकर गांव और कस्बों में आज भी शादी से कई दिन पहले घरों में ढोलक की थाप के साथ महिलाओं का संगीत कार्यक्रम शुरू हो जाता है. इन महफिलों में कई पुराने फिल्मी गीत भी लोकगीतों की तरह गाए जाते हैं, जिनमें अभिनेत्री रेखा पर फिल्माया गया 'छोरी कब से हुई जवां' सबसे लोकप्रिय गीतों में शामिल है.

साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'फूल बने अंगारे' का यह गीत तीन दशक से भी अधिक समय बाद आज भी शादी-ब्याह की रस्मों में उतनी ही शिद्दत से गाया जाता है. इस गीत की सबसे बड़ी खासियत इसका देसी अंदाज, सरल बोल और लोक-संगीत से जुड़ी धुन है, जो हर उम्र के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है. इस गीत को भारत की महान गायिका लता मंगेशकर ने अपनी सुरीली आवाज से अमर बना दिया. उनकी भावपूर्ण गायकी ने इस गाने को सिर्फ एक फिल्मी गीत नहीं रहने दिया, बल्कि इसे भारतीय विवाह समारोहों का अभिन्न हिस्सा बना दिया. आज भी जब ढोलक की थाप पर महिलाएं इस गीत को गाती हैं, तो पूरा माहौल उत्सव और खुशी से भर उठता है.

रेखा का सादगीभरा अभिनय और उनके पारंपरिक अंदाज ने भी इस गीत की लोकप्रियता को नई ऊंचाई दी. यही वजह है कि बदलते संगीत और आधुनिक डीजे कल्चर के बावजूद यह गीत अपनी अलग पहचान बनाए हुए है. ग्रामीण इलाकों के अलावा कई शहरों में भी पारंपरिक संगीत समारोहों के दौरान यह गाना जरूर सुनाई देता है.

टेलीविजन हलचल

अभीरा की जिंदगी में लौटेगा अतीत, नई एंट्री से सस्पेंस

टीवी के सबसे लंबे समय से चल रहे और लोकप्रिय शोज में शामिल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' अब एक नए अध्याय की ओर बढ़ने वाला है. मेकर्स कहानी में बड़ा टाइम लीप लाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसके बाद कई नए चेहरे और नए रिश्ते दर्शकों के सामने आएंगे. इस बदलाव का उद्देश्य शो को नई ऊर्जा और नई कहानी के साथ आगे बढ़ाना है. इसी बीच खबरें हैं कि 'अधूरा सच' फेम अभिनेता आदित्य गुप्ता शो की स्टारकास्ट का हिस्सा बन सकते हैं. हालांकि अभी तक चैनल या मेकर्स की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन मनोरंजन जगत में इसे लेकर चर्चाएं तेज हैं. फैंस भी सोशल मीडिया पर आदित्य के संभावित किरदार को लेकर अलग-अलग तरह के अनुमान लगा रहे हैं. लीप के बाद कहानी कई साल आगे बढ़ जाएगी. इस नए ट्रैक में मुक्ति और मैरा बड़ी हो चुकी होंगी और कॉलेज जाने वाली युवतियों के रूप में नजर आएंगी. वहीं अरमान और अभीरा की जिंदगी भी नए संघर्षों, रिश्तों की उलझनों और भावनात्मक मोड़ों से गुजरती दिखाई देगी. आदित्य गुप्ता की एंट्री को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि उनका किरदार कहानी के किसी बड़े रहस्य से जुड़ा हो सकता है.

लाफ्टर शेफ़्स' ग्रैंड फिनाले में होगा सरप्राइज का धमाका

कलर्स का सुपरहिट रियलिटी शो लाफ्टर शेफ़्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट अपने ग्रैंड फिनाले के साथ दर्शकों को मनोरंजन का यादगार अनुभव देने के लिए तैयार है. कई हफ्तों तक चली किचन की अफरातफरी, मजेदार कॉमेडी, कठिन कुकिंग चैलेंज और सेलेब्रिटी दोस्ती के बाद अब शो अपने अंतिम और सबसे बड़े एपिसोड में पहुंच चुका है. ग्रैंड फिनाले की सबसे बड़ी खासियत 'खतरों के खिलाड़ी' के नए सीजन के कंटेस्टेंट्स के साथ होने वाला शानदार क्रॉसओवर है. जब टीवी के सबसे मजेदार शेफ्स और स्टंट बेस्ड शो के दमदार खिलाड़ी एक ही मंच पर होंगे, तो मनोरंजन का स्तर दोगुना होना तय है. शो की शुरुआत से ही कृष्णा अभिषेक अपने मजेदार अंदाज में माहौल को हल्का और हंसाने वाला बना देते हैं, जिससे पूरे एपिसोड में कॉमेडी का सिलसिला लगातार चलता रहता है. फिनाले का सबसे बड़ा आकर्षण मशहूर फिल्म निर्देशक और एक्शन मास्टर रोहित शेट्टी की एंट्री है. स्टंट और धमाकेदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले रोहित इस बार किचन में हाथ आजमाते नजर आएंगे. पहली बार कुकिंग करते हुए उनका बैटर तैयार करने में संघर्ष और बाकी प्रतिभागियों पर उनके मजेदार कमेंट्स दर्शकों को खूब गुदगुदाएंगे. उनका यह अलग अंदाज शो में नया रंग भरने वाला है.

नेटफ्लिक्स के 'लॉक अप' में अपूर्वा की वाइल्डकार्ड एंट्री

फॉलॉक अप में अब बगावत और रोमांच और भी बढ़ने वाला है. जब कैदियों को लगा कि उन्होंने अपना-अपना गैंग बना लिया है, तभी 'द रेबेल किड' के नाम से मशहूर अपूर्वा की धमाकेदार वाइल्डकार्ड एंट्री होती है. नेटफ्लिक्स का दुनियाभर में ट्रेंड कर रहा कैप्टिव रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सज़ा' अब लॉक अप के अंदर सभी रिश्तों को पूरी तरह बदलने के लिए तैयार है.

अपनी बेबाक बातों और खुलकर अपनी राय रखने के लिए मशहूर अपूर्वा अब लॉक अप में धमाकेदार एंट्री करने जा रही हैं. वह शो में आते ही माहौल को बदलने के लिए तैयार हैं. अब देखना होगा कि 'द रेबेल किड' अपूर्वा नई दोस्तियां बनाएंगी, पुरानी दोस्तियों में दरार डालेंगी और पूरे खेल का रुख बदल देंगी या नहीं.

शो में एंट्री को लेकर अपूर्वा बताती है कि, 'सच कहूं तो मैं बहुत नर्वस हूं. मैंने खुद से वादा किया था कि मैं दोबारा किसी कैप्टिव रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनूंगी, लेकिन अब मैं यहां हूं. सच यह है कि मुझे 'लॉक अप' शो की लत लग गई है.

पहले जिस रियलिटी शो का मैं हिस्सा थी, उसके अलावा मैंने कभी किसी रियलिटी शो को इतना फॉलो नहीं किया. लेकिन यह शो मुझे और मेरे दोस्तों को बहुत पसंद है. हम हर एपिसोड को रोककर देखते हैं, स्क्रीनशॉट लेते हैं, मीम्स बनाते हैं और हर कंटेस्टेंट के सफर पर चर्चा करते हैं. मेरे पूरे सोशल मीडिया फीड पर सिर्फ 'लॉक अप' ही नजर आता है. अगर ज़्यादा सच कहूं तो, मुझे शिल्पा शिंदे पसंद नहीं हैं. हां, पामेला सेरेना को देखना मुझे बहुत पसंद आया. उन्होंने शो में खुद को बहुत सच्चे और इंसानी रूप में दिखाया है. लेकिन मैं इस घर में दोस्त बनाने या रिश्ते बनाने नहीं जा रही हूं. मैं यहां सिर्फ गेम खेलने आई हूं.

अब नागबंधम ओटीटी एंट्री के लिए है तैयार

पौराणिक फैंटेसी और एडवेंचर फिल्मों के शौकीनों के लिए अच्छी खबर है. अभिषेक नामा के निर्देशन में बनी 'नागबंधम' अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज के लिए तैयार है. यह फिल्म 24 जुलाई से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी और भारत के साथ-साथ दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में दर्शकों के लिए उपलब्ध रहेगी. एनआईके स्टूडियोज़ के बैनर तले निर्मित इस फिल्म के निर्माता किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी हैं.

फिल्म में विराट कर्णा, नभा नटेश, ऐश्वर्या मेनन, जगपति बाबू, मुरली शर्मा, महेश मांजरेकर और ऋषभ साहनी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे. फिल्म की कहानी रुद्र नाम के एक ग्रामीण युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी अचानक बदल जाती है जब उसकी बहन की शादी के दौरान एक खजाने की तलाश में निकला गिरोह हमला कर देता है. इस गिरोह का नेतृत्व अब्दाली नाम का शख्स करता है, जिसका मकसद भारत के प्राचीन विष्णु मंदिरों के नीचे छिपे रहस्यमयी 'नागबंधम' अनुष्ठान और उससे जुड़े खजाने तक पहुंचना है. कहानी में रोमांचक मोड़ तब आता है जब रुद्र की मुलाकात रहस्यमयी नागा साधु शिवा से होती है. शिवा उसे आस्था, त्याग, संघर्ष और रहस्यों से भरी एक ऐसी यात्रा पर ले जाते हैं, जहां हर कदम पर नए रहस्य और चुनौतियां उसका इंतजार करती हैं.

बटवारा 1947 का नया गीत सुन भावुक हुए दर्शक

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म बटवारा 1947 अपने विषय और स्टारकास्ट को लेकर पहले से ही चर्चा में है। अब फिल्म का नया गीत कहां चले गए हो राम रिलीज होने के बाद इसकी भावनात्मक अपील और मजबूत होती नजर आ रही है. यह गीत भारत विभाजन के दौरान बिछड़ते परिवारों, टूटते रिश्तों और मां की उस पीड़ा को सामने लाता है, जो अपनों की सलामती के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती रहती है.

गीत के वीडियो की शुरुआत शबाना आज़मी के एक बेहद मार्मिक दृश्य से होती है, जिसमें वह भगवान राम की आराधना करते हुए अपने प्रियजनों की सलामती की कामना करती दिखाई देती हैं. इसके बाद सनी देओल, प्रीति जिंटा और अन्य कलाकारों के भावुक दृश्यों के जरिए फिल्म की कहानी की झलक दिखाई जाती है. उत्सव, बिछड़न, उम्मीद और संघर्ष के दृश्य गीत को और प्रभावशाली बनाते हैं.

इस गीत का सबसे मजबूत पक्ष इसका संगीत और बोल हैं. ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने इसे संगीतबद्ध, प्रोड्यूस और अरेंज किया है, जबकि मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने अपने शब्दों से गीत को गहराई दी है.

अंचल सिंह बनीं दुल्हन, शादी की तस्वीरों ने जीता दिल

वेब सीरीज ये काली-काली आंखें' से लोकप्रिय हुई अभिनेत्री अंचल सिंह अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं. अभिनेत्री ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मोहित चावला के साथ शादी कर ली है. शादी की तस्वीरें उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की हैं, जिन्हें फैंस का भरपूर प्यार मिल रहा है. तस्वीरों में अंचल पारंपरिक लाल रंग के ब्राइडल लहंगे में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं.

उन्होंने अपने लुक को पारंपरिक ज्वेलरी और हल्के मेकअप के साथ पूरा किया, जबकि मोहित चावला ऑफ-व्हाइट और गोल्डन शेरवानी में काफी आकर्षक दिखे. दोनों की तस्वीरों में एक-दूसरे के प्रति प्यार और खुशी साफ झलक रही है. अंचल और मोहित ने अपनी शादी को भव्य बनाने के बजाय बेहद निजी और सादगीपूर्ण रखा. समारोह में सिर्फ परिवार के सदस्य, करीबी रिश्तेदार और खास दोस्त ही शामिल हुए. यही वजह है कि शादी की तस्वीरों में दिख रही आत्मीयता और सादगी लोगों को खूब पसंद आ रही है. शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आते ही फैंस ने कमेंट सेक्शन में शुभकामनाओं की बौछार कर दी. कई कलाकारों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने भी नवविवाहित जोड़े को नई जिंदगी के लिए बधाई दी. फैंस ने अंचल के ब्राइडल लुक की भी जमकर तारीफ की और उन्हें 'गॉर्जियस ब्राइड' और परफेक्ट कपल जैसे कमेंट्स किए.